



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: आज, 27 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST), उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों के ऊपर एक गहरा डिप्रेशन (deep depression) बना हुआ था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आज, 27 जुलाई 2026 की दोपहर के आसपास बालासोर और कैनिंग के बीच पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों को पार करने की बहुत संभावना है।

आज, 27 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर कल बना डिप्रेशन आज सुबह 05:30 बजे (IST) और तेज़ होकर 'डीप डिप्रेशन' में बदल गया। यह आज, 27 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) भी उसी इलाके में बना हुआ था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आज, 27 जुलाई 2026 की दोपहर के आसपास बालासोर और कैनिंग के बीच पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों को पार करने की बहुत संभावना है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उसके आस-पास के इलाकों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण) बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उसके आस-पास के चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर 'डीप डिप्रेशन' से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक एक ट्रफ (कम दबाव का क्षेत्र) फैली हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर मध्य उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों और उसके आस-पास के इलाकों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' बना हुआ है।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वी-मध्य अरब सागर और उससे सटे कोंकण तट पर एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 28 से 31 जुलाई के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 28 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 27 से 29 जुलाई और 1 से 2 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई और 1 से 2 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 27 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 30 से 31 जुलाई के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी राजस्थान में; और 27 से 28 जुलाई के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी राजस्थान में और 28 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच उत्तराखंड में और 27 जुलाई को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 29 जुलाई और 1 से 2 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 27 जुलाई और 1 से 2 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 30 जुलाई से 2 अगस्त के बीच उत्तराखंड और पश्चिमी राजस्थान में; और 27 जुलाई तथा 30 जुलाई से 2 अगस्त के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई, 30 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई, 29 जुलाई और 2 अगस्त को; पूर्वी राजस्थान में 28-29 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान, साथ ही 30-31 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है; हिमाचल प्रदेश में 28-31 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 27-29 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28-29 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 जुलाई को।

मध्य भारत:

- ❖ 27 जुलाई और 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 27 जुलाई व 2 अगस्त को विदर्भ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 से 30 जुलाई के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 27 जुलाई से 2 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच विदर्भ में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 से 31 जुलाई के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 27 से 28 जुलाई के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27 से 29 जुलाई के बीच विदर्भ में; और 27 से 31 जुलाई के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई और 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 27-28 जुलाई और 31 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 27 और 30 जुलाई को विदर्भ में; 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 29 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 29-30 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 28-29 जुलाई को विदर्भ में; और 27-28 जुलाई को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 27-29 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान झारखंड में; 27 जुलाई और 30 जुलाई-2 अगस्त के दौरान बिहार में; 27-28 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30-31 जुलाई के दौरान झारखंड में; 28-29 जुलाई के दौरान बिहार में; 29-31 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 27-28 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 28-29 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27-31 जुलाई के दौरान झारखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 28 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 27 जुलाई और 29-30 जुलाई के दौरान बिहार में; 27 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 27 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 28 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई को ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की रफ़्तार 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 27-28 जुलाई; असम और मेघालय में 27 जुलाई; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 1-2 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 29 जुलाई-2 अगस्त; असम और मेघालय में 28 जुलाई-2 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27-31 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 27-29 जुलाई; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 29 जुलाई-2 अगस्त; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 जुलाई-2 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में; 27 से 31 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 27-28 जुलाई और 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 27 जुलाई और 1-2 अगस्त के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-2 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में; 29-30 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 28-31 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जुलाई और 31 जुलाई को कोंकण और गोवा में; 27-30 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 27 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 27-31 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 1-2 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 28-29 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 27 जुलाई को कोंकण और गोवा में; 27-28 जुलाई और 30-31 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 27 जुलाई और 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 27 जुलाई और 29 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 28 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 27-29 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28 जुलाई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 27 जुलाई को तेलंगाना में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-28 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 27-29 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 28-30 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 27-29 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 30-31 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 27-31 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में; 27-31 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 27 जुलाई और 29 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 27-29 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 27-30 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 28 जुलाई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है। □ 27 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तेज हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 27-31 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में; और 27 जुलाई-1 अगस्त के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में ज़मीन के पास तेज हवाएं चलने की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 27-28 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर बने अवदाब के कारण समुद्र की स्थिति, मछुआरों और हवाओं के बारे में चेतावनी।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ 28 जुलाई की सुबह तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज हवाएं (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है और इसके बाद हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 27-28 जुलाई के दौरान मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज हवाएं (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ 27 जुलाई को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 28 जुलाई की सुबह से इसी इलाके में स्थिति में सुधार होने और समुद्र के 'खराब' श्रेणी में आने की संभावना है, जिसके बाद धीरे-धीरे और सुधार होगा।
- ❖ 28 जुलाई तक मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति खराब रहने और उसके बाद धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी (ग्राफ़िक्स साथ में दिए गए हैं):

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 जुलाई की सुबह तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा, पश्चिम बंगाल व उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।
- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 28 जुलाई तक मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में न जाएं।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

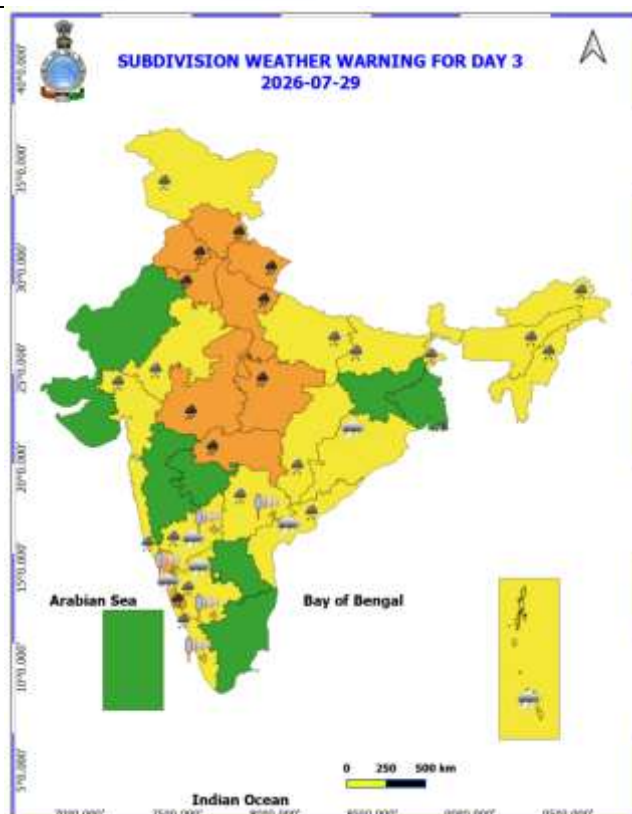
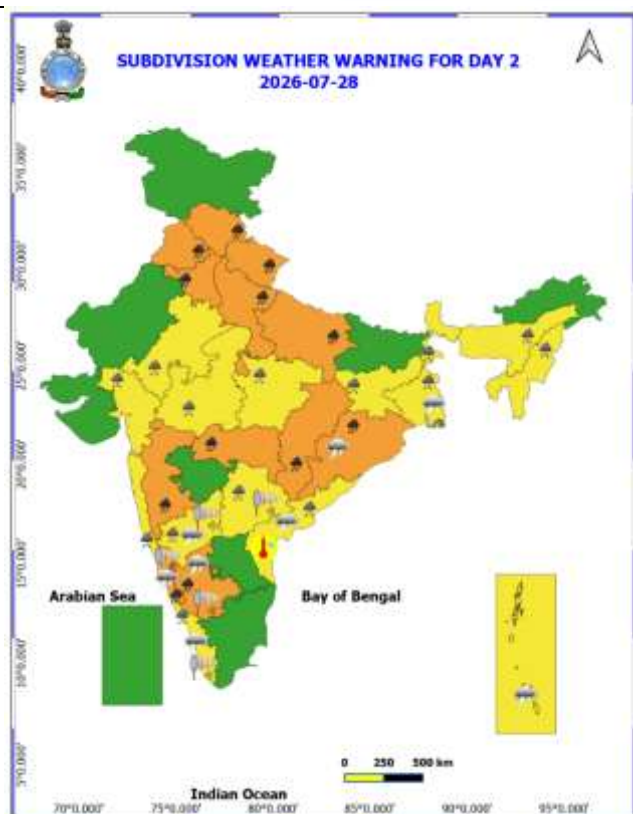
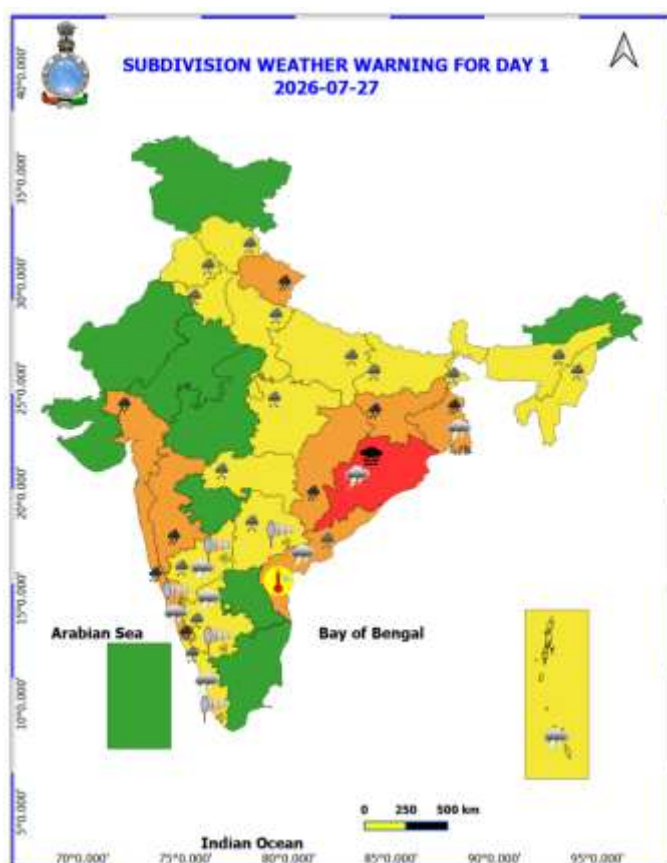
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

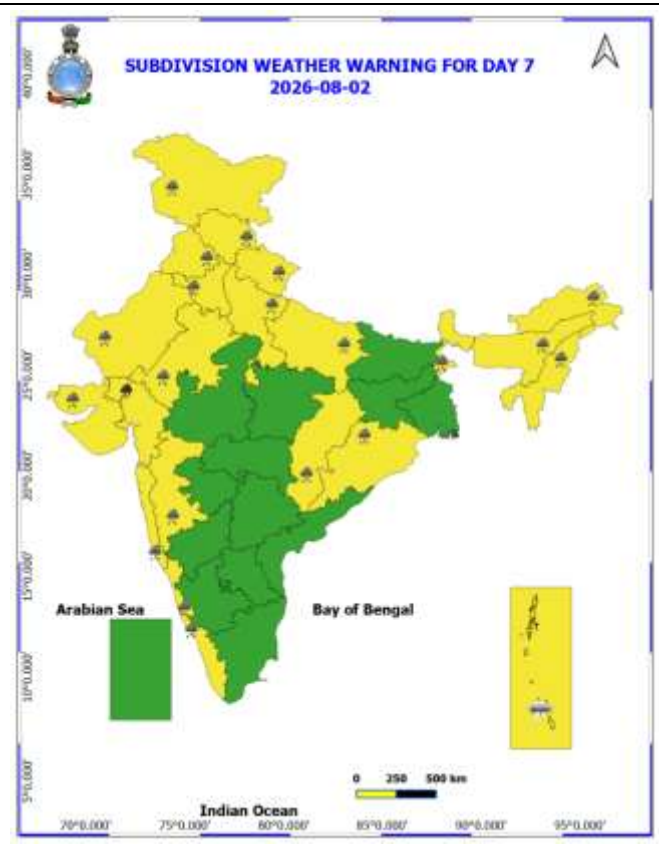
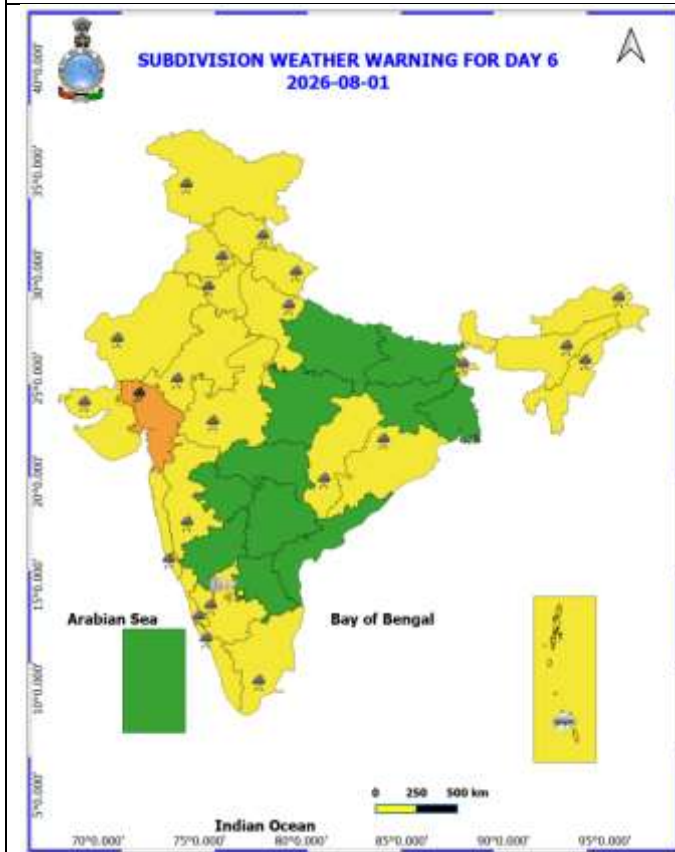
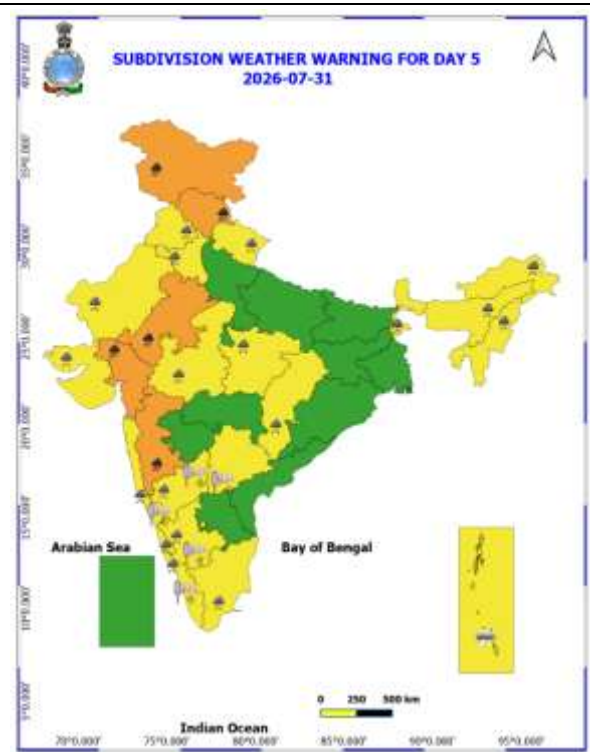
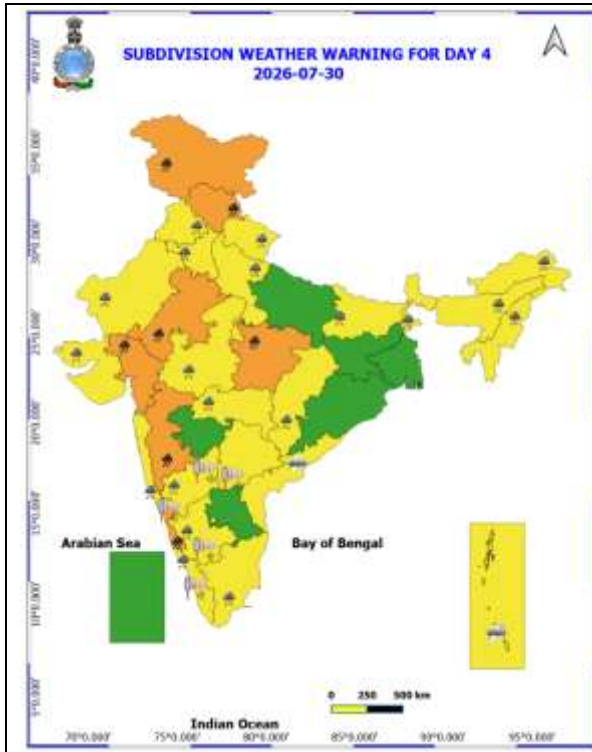
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी_मुलशी (पुणे) 21
- ❖ ओडिशा: बांकी 19
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: संकोस 7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कंडाघाट 11
- ❖ पूर्वी राजस्थान: माउंट आबू (सिरोही) 10
- ❖ छत्तीसगढ़: नवागढ़ (जांजगीर) 8
- ❖ गुजरात क्षेत्र: कपराडा (वलसाड) 10
- ❖ कोंकण और गोवा: संगुएम (गोवा) 8

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Jul	28- Jul	29- Jul	30- Jul	31- Jul	1- Aug	2- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 जुलाई से 30 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C और न्यूनतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-37^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $25-29^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश/बूँदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा की गति से सतही हवा चली। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 14 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

27.07.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और दोपहर के बाद आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम से रात के दौरान कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कहीं-कहीं मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और ज़मीन पर हवा की गति 20-30 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $36-38^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

28.07.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के दौरान ज़्यादातर जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम/रात के समय कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश और कहीं-कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा; वहीं अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के दौरान हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 18 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

29.07.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच ज़्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

30.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो जाएगी।

बहुत ज़्यादा/अत्यधिक भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 27 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें और खेतों की नालियों को साफ रखें। जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ को मजबूत करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक खेत के सभी काम टाल दें।
- ❖ झारखंड में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें। जहां खेत की स्थिति अनुमति दे, वहां पके हुए फलों की कटाई करें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, उड़द, इंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखें। जहां खेत की स्थिति अनुमति दे, वहां पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक बुवाई टाल दें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, धान, मक्का, तिल, अरहर और सब्जियों के खेतों में, खासकर निचले इलाकों में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा में, धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, अरहर, मक्का और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, फसलों के खेतों, नर्सरी और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक खेत के सभी काम टाल दें।
- ❖ कोंकण और गोवा में, रोपाई किए गए धान, हल्दी, मूंगफली, रागी, चीना (प्रोसो मिलेट), सब्जियों के खेतों और बागों में लगातार जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए निचले इलाकों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, घाट वाले इलाकों में धान की नर्सरी, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। जब तक खेत की स्थिति में सुधार न हो, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ गुजरात में, धान, कपास, बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। □ केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मक्का, कपास, उड़द, मूंग और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ❖ तटीय कर्नाटक में, खेतों की जल निकासी नालियों को साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ असम में, खेतों की जल निकासी नालियों को साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए लगातार जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। तेज हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और अन्य नाजुक फसलों को सहारा दें।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें और जल निकासी नालियों में कोई रुकावट न आने दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, कोल क्रॉप (गोभी वर्गीय फसलें) और सब्जियों के खेतों से पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एगोमेट सलाह

- कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मजबूती से बाँधें और ढककर रखें।
- तेज़ हवाओं के कारण फसल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

28-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के खतरे (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

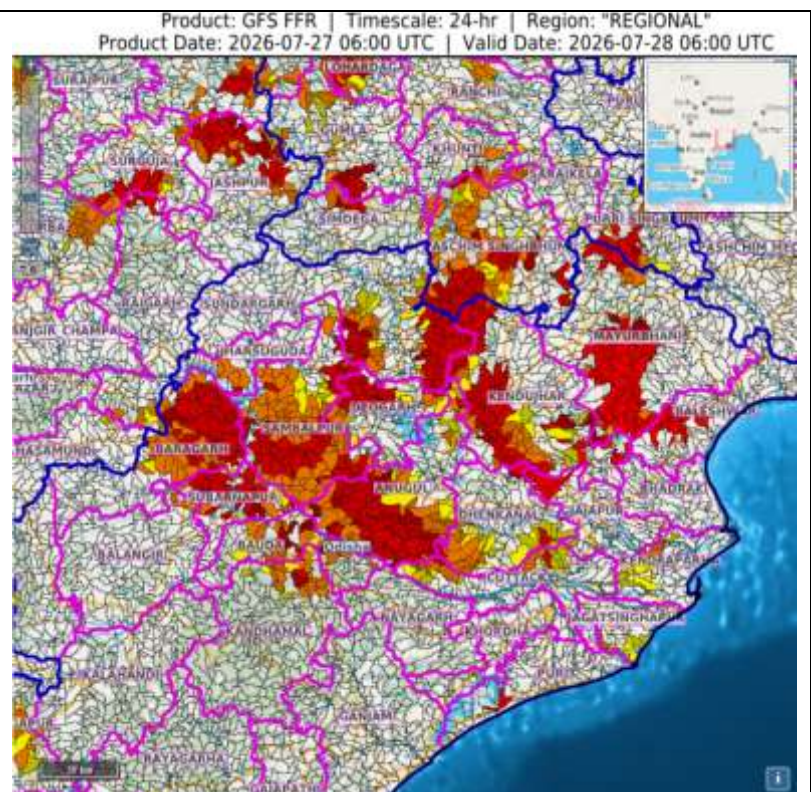
अगले 24 घंटों के दौरान नीचे दिए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

ओडिशा - अनुगुल, बौध, बरगढ़, कंधमाल, बालेश्वर, देवगढ़, मयूरभंज, क्यौंझर, भद्रक, कटक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, ढँकनाल, रायगढ़, संबलपुर, सुबर्णपुर और सुंदरगढ़ जिले।

झारखंड - पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

छत्तीसगढ़ - बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, कोरबा और कोरिया जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।

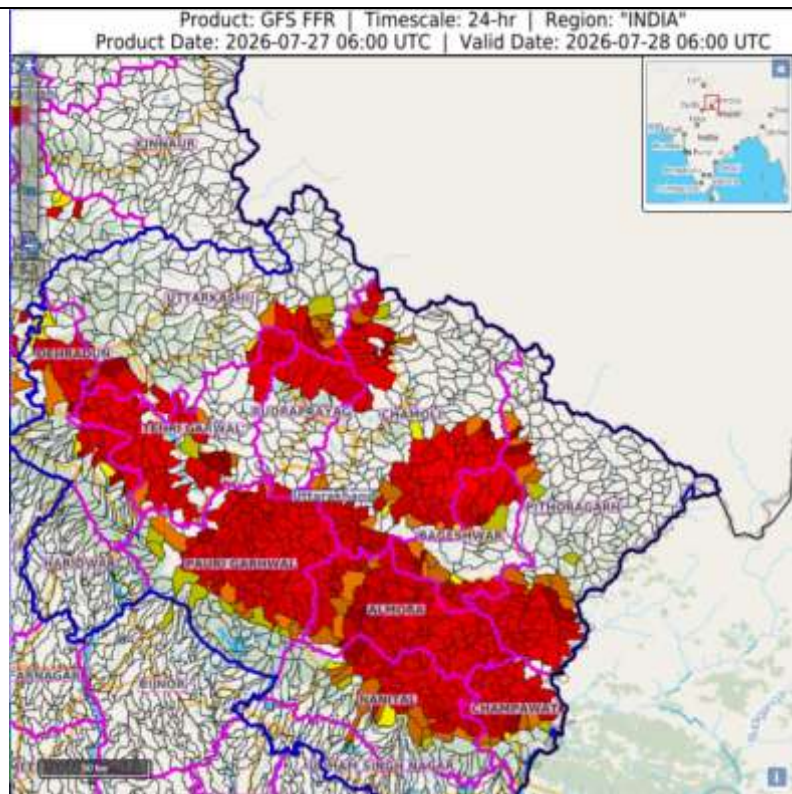


28-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

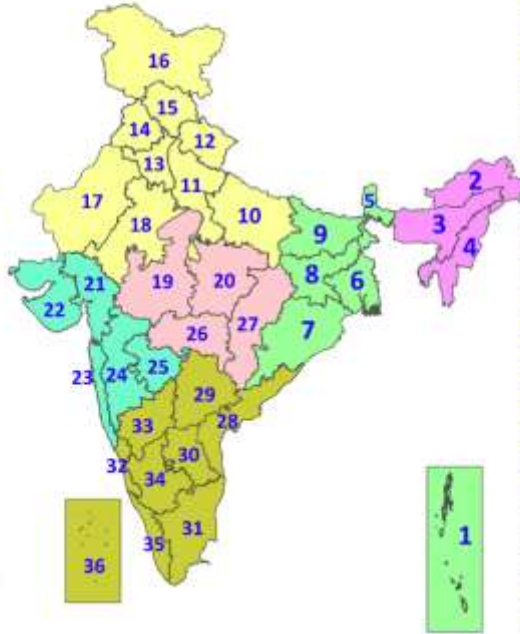
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, चमोली, चंपावत, देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, नैनीताल जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)